Rajkiya Mahila Snatkottar Mahavidyalaya, Ghazipur

Language and Communication Skills

In every academic year a departmental workshop is organised by all departments of Faculty of Languages. These departments include Department of English, Department of Hindi , Department of Urdu and Department of Sanskrit. Apart from the workshop which focuses on the improvement of spoken and written language skills, various seminars and group discussion sessions are also conducted to enhance the communication skills of students. Moreover various events and competitions including poem recitation, extempore, story telling, mimes and short plays are also organised regularly. Prizes and certificates are given to the winners of these competitions and participants are encouraged for enhanced participation and active learning through these events. The students selected in these events are further trained for participation in district and inter college competitions . Every year ,students win prizes in these events and bring laurels and fame to the institution. Specific programmes like Spoken English Symposium , Sanskrit Subhashinee, Premchand Ko Kaise Padhe , Gorakhbani Ka Marm Aur Uska Lok Vyapi Prachar have been organised in recent years to enhance the overall learning experience of students.

Government Girls PG College, Ghazipur
ENGLISH ACADEMIC COUNCIL
Organizes
SPEECH COMPETITION
On
"Global Warming and Environmental Concerns for the 21st Century India"
DATE: 02.03.2022
TIME: 12:00-02:00 PM
NOTE:
❖ Speech competition will be in English and Hindi both
❖ Each participant will be given maximum 10 minutes to speak
❖ The maximum marks for speech competition is 30
❖ The decision of the jury members will be final

Government Girls' P.G. College, Ghazipur
ENGLISH ACADEMIC COUNCIL
Organizes
Essay Competition
On
"Social Media as a tool of Learning English Language"
Date: 12.01.2023
Time: 12:00-01:00 PM
NOTE:
❑ The essay competition will be in English Language only
❑ The word limit for the essay is maximum 500 words
❑ Maximum marks for the essay is 30
Venue
Room No. - 17

Government Girls' P.G. College, Ghazipur

ENGLISH ACADEMIC COUNCIL

Organizes

Essay Competition

On

"The Role of Literature in the Era of Pandemic and Ecological Crisis"

NOTE:

- ❑ The essay competition will be in English Language only
- ❑ The word limit for the essay is maximum 500 words
- ❑ Maximum marks for the essay is 30

Date: 12.01.2023

Time: 12:00-01:00 PM

Venue
Room No. - 17

Poetry Recitation

GOVERNMENT GIRLS PG COLLEGE, GHAZIPUR

Department of English

Orientation cum Bridge Course for 1st Year Students

Session: 2022-23

S.N.	Day & Date	Time	Topic	Name of the Faculty
1	Wednesday 24.08.2022	09:30-10:10 AM	Introduction of Programme and Course Curriculum	Dr. Shailendra K. Yadav
2	Thursday 25.08.2022	09:30-10:10 AM	How to Develop Positive Attitude	Dr. Shailendra K. Yadav
3	Friday 26.08.2022	09:30-10:10 AM	Communication and Body Language	Dr. Ramnath Kesarwani
4	Saturday 27.08.2022	09:30-10:10 AM	Time Management	Dr. Ramnath Kesarwani
5	Monday 29.08.2022	09:30-10:10 AM	Leadership Quality and Team Management	Mr. Abhishek Kumar
6	Tuesday 30.08.2022	09:30-10:10 AM	Stress Management	Mr. Abhishek Kumar

HEAD

Department of English

राजकीय महिला स्नातकोत्तर
NAAC बेंगलुरू द्वारा
सदस्य
डॉ. निरंजन कुमार
हिन्दी विभाग

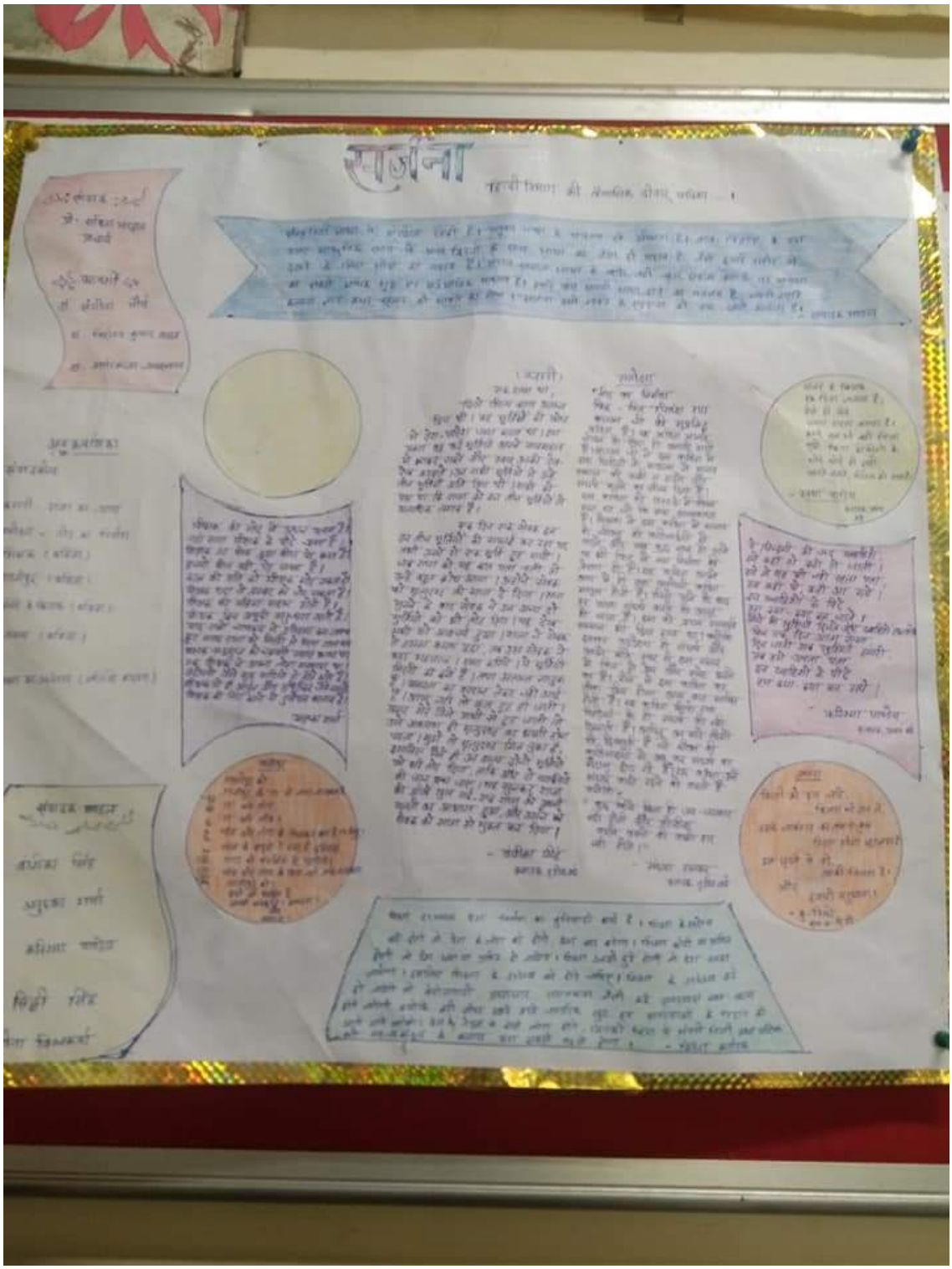
सृजना

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

एवं

प्रेमचंद साहित्य संस्थान

द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय कार्यशाला

15 जुलाई – 30 जुलाई 2020 ई0

प्रेमचंद को कैसे पढ़े

मीटिंग आई.डी. (जूम एप) : 87909381525 पासवर्ड : 123456

प्रो0डॉ0सविता भारद्वाज
संरक्षक/प्राचार्य
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गाजीपुर

प्रो0सदानन्द शाही
निदेशक,
प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर।

डॉ0निरंजन कुमार यादव
समन्वयक
मो0- 8726374017

समस्त महाविद्यालय परिवार आपका स्वागत करता है।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
एवं
प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर
द्वारा आयोजित
राष्ट्रीय कार्यशाला
(15 जुलाई – 30 जुलाई 2020 ई०)
प्रेमचंद को कैसे पढ़े?
समापन सत्र – 30 जुलाई 2020, समय – प्रातः 10 बजे
प्रो.गजेन्द्र पाठक
हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद
प्रो.रोहिणी अग्रवाल
वरिष्ठ आलोचक एवं लेखिका
रोहतक, हरियाणा।
प्रो.सदानन्द शाही
निदेशक,
प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर।
प्रो.(डॉ.)सविता भारद्वाज
प्राचार्य/संरक्षक
डॉ.निरंजन कुमार यादव
संयोजक
डॉ.संगीता मौर्य
विभागाध्यक्ष / आयोजन सचिव
डॉ.शशिकला जायसवाल
आयोजन सह सचिव
डॉ.संतन कुमार राम
तकनीकी सहयोग
समस्त महाविद्यालय परिवार आपका स्वागत करता है।

संघर्षपूर्ण रहा है डा. राही का जीवन

जागरण संवाददाता, गाजीपुर : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार एवं पटकथा लेखक राही मासूम रजा की जयंती के पर विचार गोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता डा. उबैदुर्रहमान ने कहा कि रजा जी का जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा है। वह कबीर की तरह मनमौजी और मौलिक विचारों वाले थे। अपने परिवार में यह अपने चाचा के सर्वाधिक निकट और प्रिय रहे। वहीं उनके पहले साहित्यिक गुरु थे।

फिर इलाहाबाद, अलीगढ़ और मुंबई में उनके लेखन का विस्तार और परिष्कार हुआ। वह एक लोकप्रिय लेखक और शिक्षक रहे हैं। उन्होंने सिद्धांत सिर्फ बनाया नहीं जीया भी। वह अपनी प्रतिबद्धता के चलते चुनाव में अपने पिता के प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी के साथ रहे। अपने लेखन के साथ जीवन में भी प्रगतिशीलता का वरण किया। बहुत सी रूढ़ियों को तोड़ा, बहुत को छोड़ा। सचमुच में बेहतर जीवन और समाज के निर्माण हेतु राह बनाने वाले रचनाकार हैं। उन्होंने बताया कि उनके उपन्यास का अनुवाद करने वाली एक अंग्रेजी लेखिका ने बताया कि प्रतिदिन तीन घंटे उन्हें

राइफल क्लब में गोष्ठी में शामिल डा. निरंजन यादव व डा. उबैदुर्रहमान • जागरण

- कथाकार राही मासूम रजा की जयंती पर विचार गोष्ठी
- कबीर की तरह मनमौजी और मौलिक विचारों वाले थे रजा

ने कहा है कि गालिब के बाद समय की नब्ज पकड़ने वाले रचनाकार हैं। विभागाध्यक्ष डा. संगीता मौर्य ने कहा कि गाजीपुर और राही मासूम रजा को अलगाया नहीं जा सकता।

भले वह बाद में मुंबई चले गए लेकिन उनको साहित्य जगत में गाजीपुर का ही माना जाता है। उनकी सबसे चर्चित कृति आधा गांव की कथा भूमि गाजीपुर ही है। डा. निरंजन कुमार यादव ने कहा कि भुलाए से भी ना भूलने वाले कथाकार हैं राही मासूम रजा।

उन्होंने कथा साहित्य के अलावा उर्दू में भी गजल, नज्म आदि की रचना भी की है। वह उर्दू साहित्य में एपिक लिखने वाले पहले रचनाकार हैं। मीडिया प्रभारी शिवकुमार ने कहा कि महाभारत को घर-घर पहुंचाने में राही जी का महत्वपूर्ण योगदान है। वह गंगा जमुनी तहजीब के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं। डा. शैलेंद्र कुमार, डा. विकास सिंह, डा. अनीता कुमारी, पूजा सिंह, हरेंद्र यादव आदि थे।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर
NAAC बेंगलुरु द्वारा B++ ग्रेड से
हिन्दी साहित्य
प्रभारी
प्रो. सविता भारद्वाज
सदस्य
डॉ. निरंजन
डॉ. शशिकला
आप सभी का

हिन्दी
परिषद

विश्व हिंदी दिवस पर विशेष

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान के लिए और प्रयास की जरूरत बताई

हिंदी को और समृद्ध बनाने में जुटे साहित्यकार

संवाद न्यूज एजेंसी

गाजीपुर। साहित्यकार हिंदी के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं। तमाम साहित्यकार और हिंदी के शिक्षक हिंदी के अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए कार्य कर रहे हैं। दस जनवरी को विश्व हिंदी दिवस है। ऐसे में साहित्यकारों और रचनाधर्मियों का कहना है कि हिंदी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए प्रयास करने की जरूरत है। इसमें विदेशों में रहने वाले भारतीय अहम भूमिका निभा सकते हैं।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शशिकला जायसवाल ने कहा कि हिंदी के विकास के लिए काम करने वाले लोग हिंदी को समृद्ध बनाने के लिए प्रयत्नशील हैं। डॉ. जायसवाल ने इस वर्ष साहित्य के विविध क्षेत्रों में शोध कार्य किया। उनके बारह शोध पत्र अक्षरवार्ता, इंडियन जनरल ऑफ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स,

डा. शशिकला जायसवाल   डॉ. संगीता मौर्या   डॉ. निरंजन कुमार

संचार बुलेटिन, शोध दृष्टि, शोध धारा जैसे प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुए। उन्होंने स्त्री लेखन में नयापन, उत्तर औद्योगिक समाज एवं संस्कृति, मुक्तिबोध नामक पुस्तकों में अध्याय लेखन का कार्य किया। इस सत्र में उनका उपन्यास मंजिलें.. और भी प्रकाशित हुए। हिंदी कहानी का नवां दशक सामाजिक चेतना के नए आयाम पुस्तक भी प्रकाशनाधीन है।

इसी महाविद्यालय की हिंदी की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता मौर्य के हिंदी भाषा, साहित्य एवं समाज के उन्नयन से संबंधित एक दर्जन से अधिक शोध पत्र गवेषणा, कथाक्रम, अपनी माटी, शोध संविद, सबलोग, दलित साहित्य वार्षिकी, निरुप्रह, युद्धरत, आम आदमी आदि प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इस वर्ष इनकी पुस्तक स्त्री परिधि के बाहर प्रकाशित हुई। उन्होंने कहा कि वे हिंदी के उत्थान के लिए निरंतर क्रियाशील हैं। उनकी हसरत है कि हिंदी विश्व की भाषा बने।

हिंदी के प्राध्यापक डॉ. निरंजन कुमार यादव की ओर से विगत जुलाई में प्रेमचंद को कैसे पढ़ें विषय पर आयोजित कार्यशाला में पूरे देश के 700 प्राध्यापकों-शोधार्थियों एवं हिंदी प्रेमियों ने प्रतिभाग कर प्रेमचंद के साहित्य में नए आयाम और उपागम खोजने का प्रयास किया। फरवरी में आयोजित गोरखबानी का मर्म और उसके लोकव्यापी प्रसार पर हिंदुस्तानी एकेडमी के साथ मिलकर गुरु गोरखनाथ के कृतित्व के माध्यम से हिंदी भाषा और हिंदी भाषियों पर प्रभाव से संबंधित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर हिंदी और उसके लोक को आधुनिक तरीके से समृद्ध करने का अनूठा प्रयास किया। इस सेमिनार पर हिंदुस्तानी एकेडमी के द्वारा साखी पत्रिका का विशेषांक भी प्रकाशित हुआ। इन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं में लेखकों और साहित्यकारों के प्रति रुचि जगाने के तहत हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण कवियों एवं रचनाकारों की जयंती पर पाठ एवं परिचर्चा का आयोजन वर्ष भर किया।

2019/11/13 12:20

NAAC
हिन्दी साहित्य परिषद

हिन्दी साहित्य परिषद
सभी का स्वागत है।
Shot by realme

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
(NAAC द्वारा B** ग्रेड से प्रमाणित)
हिन्दी साहित्य

संगोष्ठी
एम.ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी

साहित्यिक उपलब्धियों से भरा रहा यह वर्ष

लेखा-जोखा 2021
अमर उजाला विशेष

संवाद न्यूज एजेंसी

गाजीपुर। जिले में वर्ष 2021 के शुरुआत में कोरोना संक्रमण के चलते साहित्यिक गतिविधियां थमी रहीं लेकिन संक्रमण थमने के बाद जहां कई साहित्यिक कार्यक्रम हुए, वहीं यहां के साहित्यकार ने विभिन्न मंचों पर सम्मानित भी हुए। कवि सम्मेलन, सेमिनार और वेबिनार आयोजित हुए और पुस्तकों का विमोचन हुआ।

उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी ने इतिहासकार एवं लेखक ओबैदुररहमान सिद्दीकी को उनके 'शेरी मजमुआ शहर का सुकरात' पर 2020 का मीर अवार्ड प्रदान करने की घोषणा की। उन्हें यह पुरस्कार फरवरी में आयोजित समारोह में दिया जाएगा। इससे पूर्व उनको उनकी कृति गाजीपुर में गौतम बुद्ध, सम्राट अशोक तथा बौद्ध स्थल पर उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की तरफ से विद्यानिवास मिश्र सर्जना अवार्ड दिया गया था। कैथवलिया गांव के डॉ. उमाशंकर मिश्र की रचना 'ज्ञानोदय' का विमोचन हुआ। सैदपुर के डॉ. इंदीवर पांडेय को हिंदी साहित्य में उत्कृष्ट लेखन और कई पुस्तकों के लिए हिंदी दिवस पर नई दिल्ली की संस्था अभिमंच साहित्य सभा दिल्ली एवं काशी साहित्य न्यास वाराणसी ने दिनकर सम्मान से नवाजा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिला इकाई की पत्रिका ग्राम दर्शन का लोकार्पण जिलाधिकारी ने किया। इसके अलावा कुछ अन्य साहित्यकारों की कृतियों का लोकार्पण होने के साथ ही उन्हें सम्मानित भी किया गया था।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता मौर्य की आलोचनात्मक कृति 'स्त्री परिधि के बाहर' एवं डा. शशिकला जायसवाल का उपन्यास 'मंजिलें और भी' प्रकाशित हुईं। 18 फरवरी को इसी महाविद्यालय के डॉ. निरंजन कुमार यादव के संयोजन में गोरखबानी का मर्म और उसकी लोक व्याप्ति विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इस कार्यक्रम में साखी पत्रिका के गोरखनाथ अंक का विमोचन किया गया। 14 सितंबर को बुद्धिनाथ मिश्र का विभाग में कविता पाठ का आयोजन हुआ। 24 अक्तूबर को आनंद सिंह की कृति 'अथर्व मैं वही वन हूं' का विमोचन किया गया। 28 अक्तूबर को डॉ. उमाशंकर तिवारी और हिंदी नवगीत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इस दौरान डॉ. शिखा तिवारी एवं माधव कृष्ण द्वारा संपादित पुस्तक 'हिमशिला की देह थे' का विमोचन किया गया था। कथा सम्राट प्रेमचंद की जयंती पर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. रविकांत का आज का समय और प्रेमचंद विषय पर व्याख्यान हुआ। वरिष्ठ कवि दिनेशचंद्र शर्मा को महाराजगंज में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की सहकारिता राज्यमंत्री डॉ. संगीता बलवंत और मनिहारी में आयोजित काव्य गोष्ठी में जंगीपुर विधायक डा. वीरेंद्र यादव की ओर से सम्मानित किया गया था।

अमर उजाला के काव्य कैफे में मौजूद कवि। (फाइल फोटो)

राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी के मौके पर साखी पत्रिका के गोरखनाथ अंक का विमोचन करते अतिथि। (फाइल फोटो)

काव्य कैफे का हुआ आयोजन

अमर उजाला की ओर से 25 फरवरी को ठंड की गुनगुनाती निशा में शहर के महुआबाग स्थित कान्हा हवेली के सभागार में काव्य कैफे का आयोजन हुआ। इसमें लब्ध प्रतिष्ठित कवियों डॉ. भुवन मोहिनी, शंभु शिखर, प्रियांशु गजेंद्र, जगदीश सोलंकी ने अपनी रचनाएं सुनाई थीं। संवाद

चित्रकार राजीव को मिला अवार्ड

मुहम्मदाबाद। यूसुफपुर बाजार निवासी युवा चित्रकार राजीव कुमार गुप्ता को इस वर्ष एनआरबी फाउंडेशन एवं भव्या इंटरनेशनल जयपुर की ओर से जयपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन में रेड डायमंड अचीवर अवार्ड से नवाजा गया। ऑनलाइन फेसबुक अटेम्प्ट में एक घंटे में सर्वाधिक पेंटिंग्स को प्रस्तुत कर वह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। इससे पहले राजीव कई अवार्डों से सम्मानित हो चुके हैं। संवाद

वर्ष भर हुए कार्यक्रम

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से इस वर्ष दो राष्ट्रीय संगोष्ठी, चार वेबिनार एवं विभिन्न विषयों पर कहानी लेखन, कविता पाठ एवं छात्र संवाद श्रृंखला का आयोजन किया गया। दिसंबर में एमएएच इंटर कालेज में आल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन हुआ। माह के अंतिम दिनों में साहित्य सरोज पत्रिका की तरफ से गहमर इंटर कालेज में सातवें गोपाल राम गहमरी साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन हुआ। संवाद

औपनिवेशिक शिक्षा से किसी भी देश का नहीं हो सकता विकास

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

गाजीपुर।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद के प्रोफेसर गजेंद्र कुमार पाठक ने एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भक्ति आंदोलन के पुनः पाठ विषय पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जितनी भी समस्याएं हैं, ठीक इसी तरह की समस्याएं भक्तिकाल में भी थीं। जिसका समाधान भक्तिकाल के कवि कर रहे थे। वह एक नए विकल्प की तलाश भी कर रहे थे। स्त्री मुक्ति का जो स्वरूप आज हमें दिखाई देता है उसकी शुरुआत भक्ति काल की कवयित्री मीराबाई ने कर दिया था। उन्होंने बताया कि मीराबाई जिस समाज में रह रही थीं वह भी पुरुषों का ही समाज था उनको भी उस समाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा। तमाम तरह की प्रताड़ना भी झेलनी पड़ी। उन्होंने उस सामंतवादी व्यवस्था को इतनी बड़ी चुनौती दी की आज भी राजस्थान में लोग मीरा नाम रखने से डरने लगे।

यह केवल मीरा के समय की ही बात नहीं है, बल्कि मीरा से पहले थेरी गाथाओं में भी स्त्रियों की यही स्थिति रही है और आज यह स्थिति अपने भयावहता की ओर संकेत कर रही है। यह हम सब के द्वारा ही बनाया हुआ समाज है कि हम आज के समय में अपने बहू-बेटी या अपनी पत्नियों से आंखें नहीं मिला पा रहे हैं। आज की जो आधुनिकता है वह औपनिवेशिक आधुनिकता है। औपनिवेशिक भाषा, औपनिवेशिक शिक्षा से किसी भी देश का विकास नहीं हो सकता। हमारी अपनी शिक्षा बुद्ध कबीर की शिक्षा थी। भक्ति काल के सभी कवि देसी भाषा में अपनी रचना रचते थे और यह देसी भाषा का ही प्रभाव है कि वह इतने लंबे समय में भी बने हुए हैं। चीन, जापान, कोरिया सब बुद्ध के अनुयाई हैं। वहां की शिक्षा-दीक्षा वहां की अपनी भाषा में होती है। इसीलिए आज आर्थिक रूप से वह हम से कहीं अधिक सशक्त है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्राचार्य डा. सविता भारद्वाज ने कहा कि जब-जब समय कठिन होगा उसके समाधान हेतु हमें भक्तिकाल के कवियों के पास जाना होगा। कार्यक्रम का संचालन डा. निरंजन कुमार यादव व धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभागाध्यक्ष डा. संगीता मौर्य ने किया।

इस अवसर पर डा. सारिका सिंह, संतन कुमार राम, डा. शशि कला, डा. विकास, डा. शंभू शरण प्रसाद, डा. पूजा सिंह, अशोक सिंह, डा. बीएन पांडेय, अखलाक खान, अकबरी आजम, डा. दिवाकर मिश्र, डा. अनिता कुमारी, डा. कौशल किशोर श्रीवास्तव, डा. अमित यादव मीडिया, प्रभारी डा. शिवकुमार सहित महाविद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति बनी रही।

मुख्य अतिथि को सम्मानित करतीं प्राचार्य। फोटो : एसएनबी

हिन्दी साहित्य परिषद

मैंने अपनी पीड़ा किसी को नहीं बताई
मन्नू भण्डारी
POCO
SHOT ON POCO M2 PRO
2021/11/16 13:16

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
हिन्दी साहित्य परिषद
गाज़ीपुर
narzo Shot by realme

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
NAAC बेंगलुरु द्वारा B" ग्रेड से प्रत्यायित
हिन्दी साहित्य परिषद
सविता भारद्वाज
डॉ. संगीता
आप सभी का

सोलह संस्कार

सामान्य ज्ञान
प्रतियोगिता